सुविचार

एक अच्छा विचार आपका पूरा
जीवन बदल सकता है ।

किसी की मदद कर

पाएं या नहीं लेकिन,

उसकी मदद करने के

बारे में सोचना ही सबसे

बड़ी मदद होती है।

दर्द भी आपको

ख़ुशी देता है, जब

आप जो कर रहे हैं

उससे प्यार करते हैं।

ईमानदारी से किया हुआ

काम किसी की उम्मीद

पर खरा उतरे या ना उतरे

लेकिन, ख़ुद की मेहनत

पर खरा ज़रूर उतरेगा।

भीड़ हमेशा झूठ की

होती है लेकिन, सच

तो अकेला ही

चमकता है।

जब हम एक कदम

आगे बढ़ाते हैं तो,

कई चीजें पीछे भी

छोड़ते हैं। कुछ पाने

के लिए बहुत कुछ

खोते भी हैं।

ज़िंदगी में माँ-बाप के

बिना कोई नहीं है,

चाहे कितना भी घूम

लो, अंत में परम सुख

माँ-बाप ही हैं।

हम चाहकर भी कभी

किसी को संतुष्ट नहीं

कर सकते हैं।

भगवान ने हमें दो हाथ

दिये हैं, एक ख़ुद की

मदद करने के लिये

और एक दूसरों की

मदद करने के लिये ।

आप वह नही हैं जो

दूसरे आपके बारे में

सोचते हैं बल्कि, आप

वह हैं जो दूसरे आपके

बारे में कल्पना भी नहीं

कर सकते हैं।

आपके पास जो चीज

अच्छी है अगर उसकी

सराहना करेंगे तो वह

दोगुनी हो जायेगी।

झूठ की दुनिया में सच के

साथ रहो वरना ये दुनिया लूट

लेगी, फिर मत बोलना

दुनिया बुरी है। दुनिया बुरी

नहीं है बल्कि, हम दिमाग़ का

इस्तेमाल ही नहीं करते हैं।

जब सब सही चल रहा होगा

तब एक बहुत बड़ी परेशानी

आएगी। वह समय बहुत

कठिन होगा, लेकिन तब

हमारे सब्र का इम्तिहान

होगा।

ज़्यादातर लोग

इसलिए सफ़ल होते

हैं कि वे मूर्ख नहीं

चालाक होते हैं।

जब आप पूरा दिन

मेहनत से थककर

आराम करते हैं, बस

वही आपका असली

सुख है।

आप कितना भी आगे

बढ़ जाएं लेकिन, कभी

अपने भूतकाल को

मत भूलना। भूतकाल

ही आपको सही मार्ग

दिखायेगा।

दूसरों से सीखना

सही है लेकिन,

दूसरों की कॉपी

करना गलत है।

तनाव ग़लत

दिशा में कुछ

ग़लत करने का

परिणाम है।

कई बार हमें गुस्सा

इसलिए नहीं आता है

कि लोग झूठ बोलते हैं

बल्कि, इसलिए आता

है कि वे आधा सच

बोलते हैं।

सपने हैं आँखों में

और मेहनत है

हाथों में।

ज़िंदगी ना मुझसे

चलती है ना

तुमसे, ज़िंदगी तो

हमसे चलती है।

बुरा, अच्छा

होने के लिए ही

होता है।

किसी को भीख

देने से कहीं ज़्यादा

अच्छा है कि

किसी को काम

दिया जाए।

सब उम्र के साथ

समझदार हो जाएं

ऐसा जरूरी तो नहीं।

आप वो मत बनना

जो लोग आपको

बनाना चाहते हैं, आप

वो बनना जो आप

बनना चाहते हैं।

एक ही काम

आपको कभी ख़ुशी

नहीं देगा लेकिन,

ख़ुशी आपको काम

ज़रूर देगी।

जिस दिन आप अपनी

बातों का प्रूफ़ देना या

उसकी स्टोरी लोगों को

समझाना बंद कर देंगे,

उस दिन आप अपने मन

की सफ़लता प्राप्त करेंगे।

मेहनत इतनी

ईमानदारी और ज़ोर

से करो कि सफ़लता

मिले या ना मिले

लेकिन, संतुष्टि ज़रूर

मिलनी चाहिए।

अगर किसी का

अच्छा ना कर पाओ

तो कोई बात नहीं

लेकिन, कभी किसी

का बुरा मत करना।

ज़िंदगी बहुत

छोटी है, कल

क्या होगा कोई

नहीं जानता है।

ख़ुद को इतना भी

बड़ा नहीं समझना

चाहिए कि जिनकी

वजह से चलना

सीखा उनको ही

भूल जाएं।

कुछ हासिल करने

के लिए अपनों को

छोड़ना उचित

नहीं।

“

जब आप किसी के

लिए कुछ अच्छा

करेंगे तो, आपको

किसी से कुछ मांगने

की ज़रूरत नहीं,

क़ुदरत आपकी

अच्छाई का ख़ुद

दोगुना दे देती है।

”

किसी को ख़ुश

करने के लिये

किया गया प्रयास,

करोड़ों प्रार्थना के

समान है।

बेवक़ूफ़ी को

ईमानदारी नहीं

कहते हैं।

ग़लत व्यवहार सिर्फ़

किसी को गाली देना या

किसी का खराब करना

ही नहीं बल्कि, किसी

की बातों को ना

समझना भी होता है।

जरुरत से

ज़्यादा भावुक

होना विनाश

की निशानी है।

आपकी एक बुरी

आदत एक दिन

आपकी और आपके

परिवार की ज़िंदगी

बर्बाद कर देगी।

गुस्से वाला

इंसान कभी भी

एक सामान्य

जीवन नहीं जी

सकता है।

भड़काने से

इंसान भटक

जाता है।

प्यार वो नहीं होता है
जो हमें मिलता है या
हम लेते हैं, प्यार वो
होता है जो, हम बिन
मांगे देते हैं।

सच के रास्ते

कठिन होते हैं,

नाक़ामयाब नहीं।

ज़िंदगी में जितना

झुकोगे दुनिया

तुम्हें उतना ही

झुकाएगी।

आप ख़ुद का अच्छा

करो उसमें कोई

प्रॉब्लम नहीं लेकिन,

ख़ुद के लिए किसी

दूसरे का बुरा करो ये

ग़लत है।

आपका मिशन

आपके आलस

से बड़ा होना

चाहिए।

अगर आपके पास

अपनों के लिए समय

नहीं है तो वो क़ामयाबी

किसी काम की नहीं है

क्योंकि, जिनके

आशीर्वाद से आप आगे

बढ़ें उनको ही भूल

जाओ तो वो

नाक़ामयाबी ही है।

ज़िंदगी में बोलने

और करने में बहुत

बड़ा अंतर है।

किसी की मेहनत का

फल ना दे पाएं तो

कोई बात नहीं

लेकिन, किसी की

मेहनत का फ़ल चुराना

और झूठ के साथ

चलना ग़लत है।

किसी एक विशेष

चीज के प्रति

लगातार कड़ी मेहनत

ही सफ़लता का

प्रमुख तत्व है।

तत्काल संतुष्टि

सबसे बड़ा शत्रु

है।

जब हम भगवान की आरती में जाते

हैं तो प्रसाद के लिए जाते हैं या हमें

भगवान की आरती अच्छी लगती है

इसलिए जाते हैं ?

ठीक इसी तरह, मेहनत करना हमारे

हाथ में है, मोदक मिले या ना मिले,

वह देने वाले के हाथ में है।

दूसरों से अपेक्षा

करने के बजाय

अपनी लड़ाई के

योद्धा ख़ुद बनें।

समझाने सब

आएंगे लेकिन,

समझने कोई

नहीं आएगा।

कोई पैसा या सक्सेस

या कोई भी चीज इंसान

को संतुष्ट नहीं कर

सकती इसलिए

सफ़लता से ज़्यादा

संतुष्टि जरूरी है।

मजबूर होने से

मजबूत होना

अच्छा है।

दूसरे लोगों के

निर्णय पर ध्यान

केंद्रित ना करें,

जो सच है उस पर

ध्यान केंद्रित करें।

जल्दबाज़ी

हमसे ग़लत

काम करवा

सकती है।

“

अपने एक छोटे–से

सकारात्मक प्रयास

के द्वारा ना जाने

कितने लोगों की

ज़िंदगी हम ख़ुशियों

से भर सकते हैं।

”

आप दूसरों को कुछ

ऐसा नहीं दे सकतें जो

आपने मेहनत से बनाया

हो लेकिन, आप किसी

को वो ज़रूर दे सकते हैं

जो क़ुदरत ने आपको

उपहार में दिया हो।

अपनी ऊर्जा को

बुराई में बर्बाद

मत करो बल्कि,

अपनी ऊर्जा को

अच्छाई में

बचाओ ।

जितनी परेशानियों

का सामना करोगे

उतना ही सफ़लता

के क़रीब जाओगे।

सच हमेशा

सही मार्ग

दिखाता है।

बिज़नेस भावुक

होने से नहीं

बल्कि, रियलिटी

के ऊपर चलता है।

जब तक आप

अपना जीवन नहीं

बदलेंगे तब तक

आप दूसरों का

जीवन नहीं बदल

सकते हैं।

काम आलस

नहीं, ख़ुशी होना

चाहिए।

सुना था लोग बदलते हैं,

हालात बदलते हैं, परिवार

बदलता है, अपने भी

बदलते हैं लेकिन कभी ये

नहीं देखा था कि खून के

रिश्ते भी बदलते हैं।

किसी की मदद करते समय

आप एक समय में केवल

एक ही इंसान की मदद कर

सकते हैं लेकिन, मदद

दिखाकर आप अपने

आसपास के असंख्य लोगों

की मदद कर सकते हैं।

अगर आपको पता है

कि कोई झूठ बोल

रहा है तो, कभी भी

उनको झूठ बोलने का

दूसरा मौका ना दें।

जब आपको कुछ

करना होता है मग़र

आप कर नहीं पाते

हैं, बस वही

एहसास सबसे

दर्दनाक होता है।

आपको जीवन में जो कुछ भी

अच्छा है उसके लिए प्रतिदिन

ईश्वर को धन्यवाद दें और

प्रार्थना करें कि, भगवान

आपने दिया बहुत कुछ है

लेकिन, अब बस उसको

संभालने की हिम्मत देना।

ईमानदारी,

मानवता और

सफ़लता का

प्रमुख तत्व है।

काफ़ी लोगों को

मदद चाहिए होती है

लेकिन, उनमें से कुछ

लोग कभी भी मिली

हुई मदद की क़द्र

नहीं करते हैं।

किसी भी स्थिति

में सिर्फ़ सच के

साथ रहना ही

ज़्यादा महत्व

रखता है।

हम भगवान को इसलिए

नहीं मानते कि वे हमें कम

समस्या देते हैं, हम भगवान

को इसलिए मानते हैं कि

वे हमें ज़्यादा समस्या देते

हैं ताकि हम ज़्यादा मजबूत

बन पाएं।

हम उतना ही जानते

हैं जितना कहीं से

सुना है या किसी ने

बताया है लेकिन,

सच कभी भी पता

चलता ही नहीं है।

जब तक हम दूसरों बारे में

अच्छा या बुरा सोचेंगे तब

तक दुःखी ही होंगे। बेहतर

होगा, हम कम–से–कम

सोचें और अपने कार्यों

को पूर्ण करने पर अधिक

ध्यान केंद्रित करें।

कोई हमेशा अच्छा-

अच्छा बोले या अच्छे से

रहे, ऐसा संभव नहीं। जो

हमेशा परफेक्ट दिखे वो

इंसान रियल नहीं हो

सकता है।

बचपन में सोचा था कि

बड़ा होकर कुछ बड़ा

करेंगे लेकिन, बड़े होकर

बचपन को ही याद

करते रह गए।

प्रश्न चिह्न,

पूर्ण विराम

से बेहतर है।

अगर आपको अपनी

ज़िंदगी सच में बदलनी

है तो अपनी अस्त-

व्यस्त दिनचर्या को

अनुशासित दिनचर्या में

परिवर्तित करना होगा।

कोई आपसे

सबकुछ छीन

सकता है लेकिन,

आपकी

क़ाबिलियत नहीं

छीन सकता है।

बड़ा बनना हर एक

सफ़ल जीवन का

ध्येय है लेकिन, बड़े

बनकर भी छोटे बने

रहना यह जीवन का

सुख है।

भटकाव और

अशांति से

समर्पण बेहतर है।

टूटे दिल के

साथ ख़ुशियाँ

मनाई नहीं

सिर्फ दिखाई

जाती हैं।

अपने सपनों को पूरा करने

के दौरान आप रोज़ाना

असफ़ल हो सकते हैं,

आलसी हो सकते हैं

लेकिन, निरंतर कार्य करते

रहने से आप निश्चित रूप

से कुछ नया सीखेंगे।

भगवान समस्या दें उसमें

कोई दिक्कत नहीं

लेकिन, जब समस्या को

सुलझाने की कोशिश

करें तब कोई समस्या दें

यह तक़लीफ़ देता है।

अच्छाई एक

चमत्कार है और

चमत्कार आज

भी होते हैं।

आज छोटे हैं तो

क्या, कल बड़े हुए

तो क्या,

ईमानदारी बेच दी

तो क्या छोटा और

क्या बड़ा !

आपकी ख़ुशी

के अलावा कुछ

भी योजनाबद्ध

नहीं है।

रोते-रोते हँसना

सिखाया है ज़िंदगी ने,

ख़ुशियों के झूठ ने

आज फिर हाथ थामा

है।

ज़िंदगी एक

उपहार की तरह है,

हर दिन एक-ना-

एक सरप्राइज़

मिलते रहते हैं।

ईमानदारी अच्छी

है लेकिन, ऐसी

ईमानदारी जहाँ

आप बर्बाद हो

जाओ वो किसी

काम की नहीं है।

कभी–कभी दुनिया

की सबसे बुरी बात

यह होती है कि आप

सब कुछ देख सकते

हैं लेकिन, उसके

लिए कुछ कर नहीं

सकते हैं।

इससे पहले कि

कोई आपको

बदल दे, ख़ुद

बदल जाइये।

पहले कुछ भी नहीं

था, अब सब है

लेकिन, फिर भी

अच्छे कामों के

बिना जीवन व्यर्थ है।

अगर आपकी

ईमानदारी आपके साथ

है तो, आपको कष्ट

जरूर होगा लेकिन,

आप जीवन की लड़ाई

कभी नहीं हारेंगे।

प्रत्येक इंसान

अपनी मंज़िल

ख़ुद ही तय

करता है।

काम वह नहीं जो

आपको क्या देता है,

काम वह है जो

आपसे क्या लेता है।

अकेलेपन का

मतलब है, ख़ुद

से ज्यादा प्यार

करना।

आपको मानना पड़ेगा

कि, दुनिया अच्छे लोगों

से भरी है, जो सिर्फ

अच्छाई और खुशियाँ

फैलाते हैं। तभी आप

अच्छे लोगों से मुलाक़ात

कर पाएंगे।

“

जब आप दो ऑप्शन्स

में से किसी एक को

नहीं चुन सकते हैं, तो

दोनों को आज़माएं,

फिर आपको अपना

रास्ता जरुर मिल

जाएगा।

”

अपना सच्चा

व्यवहार और

दयालुता कभी किसी

के बुरे व्यवहार और

झूठ से आहत होकर

ना छोड़ें।

हक़ीक़त को ऐसे

स्वीकार करें, जहाँ

कितनी भी परेशानी

आए आप बिना

किसी सदमे के उसे

स्वीकार कर लें।

कई बार इंसान कुछ बोलता

नहीं इसलिए लोग समझते

हैं इनको कुछ समझ नहीं

आता या पता नहीं लेकिन,

पता सब होता है, बस अब

ज़िंदगी ने चुप रहना सिखा

दिया होता है।

ज़िंदगी बहुत ख़ूबसूरत

है। जब आप ज़िंदगी

जीना शुरू करेंगे तो

आपको इसका सही

मतलब ख़ुद समझ

आएगा।

समस्याएँ अभी भी

जारी हैं लेकिन,

हम प्रगति पर

काम कर रहे हैं।

जब बात ख़ुशी देने

और सच में से किसी

एक को चुनने की हो

तब, मन में महायुद्ध

होता है।

बुरे को बुरा कहो

वर्ना 'अच्छे' को

'बुरा' होने में समय

नहीं लगेगा।

हम चाहे कितना भी

व्यस्त क्यों ना हों

लेकिन, हमें हमारा

भूतकाल किसी-न-

किसी रूप में याद आ

ही जाता है।

चाहे आपके चारों

ओर कितना भी

अंधेरा हो, आपकी

मुस्कान अटल

रहनी चाहिए।

जहाँ सच साबित

करने के लिए

सबूत मांगे जाते हैं

वहाँ ईमानदारी

बिक जाती है।

जब आप भगवान से नाराज़ हो

जाएंगे तब, वे आपको खुश

करने के लिए आपको जो

चाहिए वो देंगे लेकिन तब ख़ुश

मत होना क्योंकि, हमें खुशी

देकर वापस लेना और फिर से

उनके सामने रुलाना अक़्सर

यही उनका काम होता है।

“

मंज़िल से कहीं

ज़्यादा

ख़ूबसूरत होता

है सफ़र !

”

जब लोग सच

नहीं सुन पाते हैं

तब, उसको

गुस्से का नाम

दिया जाता है।

झूठ बोलने

से बेहतर है

रोना।

वह बात जो किसी

को अद्वितीय बनाती

है वह यह है कि,

वह अपने शब्दों का

कितना पक्का है।

जब हमारा बुरा

वक़्त चल रहा

होता है तब, सिर्फ

अच्छे सुविचार ही

याद आते हैं।

जब हम पछतावे में

होते हैं, तब अक़्सर

हम अपना काम

जल्दी और अच्छे

से करते हैं।

जो चीज हमें

पता नही होती

है, वो अक़्सर

नामुमकिन ही

लगती है।

आपके हर दिन की

मेहनत और आपका

हर दिन का एक ही

काम, आपको आपकी

मंज़िल पर लेकर

जायेगा।

आपके ग़म सिर्फ़

आपके होते हैं

लेकिन, आपकी

ख़ुशियाँ सबकी

ख़ुशी होती है।

प्रेरणा या आशा

कहने से जीवन की

वास्तविकता नहीं

बदल सकती।

कौन-सा सपना सच

होगा, कौन-सा अपना

संग होगा, यह तो वक्त ही

बताएगा लेकिन, सफ़र

कितना लंबा होगा, यह

तो आप ही बता सकते हैं।

बुराई हमारे

बाहर नहीं होती

है बल्कि, बुराई

हमारे अंदर

होती है।

आप किसी को कोई

काम सीखने के लिए

मजबूर करेंगे तो, वो

कभी उस काम में

सफ़ल नहीं होगा।

जब सब अच्छा होता

है तब हम कुछ नहीं

कर पातें लेकिन, जब

कुछ बुरा होता है तो

हम बहुत कुछ कर

पाते हैं।

“

जितनी रहम की

दुआ मांगेंगे

उतना ही कष्ट

मिलेगा।

”

बहुत लिख दी

क़िस्मत ने मेरी

कहानी, अब

कहानी लिखने की

बारी मेरी है।

सुविचार

"सुविचार" किताब किसी सकारात्मक या नकारात्मक विचारों का संकलन मात्र नहीं हैं बल्कि ये विचार वो विचार हैं जिनका मुझे अपने निजी जीवन में अनुभव हुआ है। ये वो विचार हैं जो ज़िंदगी की सच्चाई और वास्तविकता के करीब हैं। ये वो विचार हैं जिनमें जीवन का दर्शन निहित है। ये वो विचार हैं जिन्हें पढ़कर हम अपने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल सकते हैं। ये वो विचार हैं जो आपकी सोच को बदल सकते हैं। इसीलिए मैंने जीवन की इस सच्चाई को अपनी इस किताब के माध्यम से आप तक पहुँचाने की कोशिश की है ताकि आप सब भी इससे लाभान्वित हो सकें। बेशक यह मेरा अपना अनुभव है लेकिन हो सकता है कि इस किताब के कई "सुविचार" आपको जाने पहचाने लगें। वह भी इसलिए कि ज़मीन गोल है और सभी के जीवन में ऐसे अनुभव कहीं न कहीं देखने को मिलते ही रहते हैं।